ANNUAL EXAM : 2019

DATE : 09/04/2019 **STD : 9 :** **TIME : 2 HOURS**

SUB. : HINDI **MARKS : 80**

प्रश्न-1(अ)सही विकल्प चुनकर निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । **(2)**

उत्तर - 1 कोतवाल

उत्तर - 2 अलकापुरी

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पुरा वाक्य फिर से लिखिए । **(2)**

उत्तर - 1 (ब) उसे वह बुरा और अपमानजनक लगा ।

उत्तर - 1 (अ) ताजा अनार का शरबत पिलाया ।

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्यों में दीजिए । **(4)**

उत्तर - 1 लेखक पाँचवी कक्षा में फर्स्ट आये थे ।

उत्तर - 2 स्वर्ग जाने की जल्दी राजा को थी ।

उत्तर - 3 हेमंत जगदीशबाबू का सहपाठी था ।

उत्तर - 4 रानी 'रेखाचित्र' साहित्यिक विद्या है ।

(ड) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए । **(4)**

उत्तर - 1 न्यायमंत्री ने सम्राट को फाँसी की सजा दी । परंतु उनके स्थान पर सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटका देने का आदेश दिया ।

उत्तर - 2 जूही स्वराज्य के लिए नाच सकती थी । जो लोग विलासिता में डूबे थे, उनके लिए नहीं ।

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए । **(8)**

उत्तर - 1 लेखक यात्राप्रिय नहीं थे । यात्रा पर निकलते समय वे सोचते है कि रास्ते में न जाने कैसे-कैसे लोग मिलेंगे । नए शहर के लोगों का कैसा व्यवहार होगा । सबसे अधिक परेशानी उन्हें ओटोवालों के बारे में सोचकर होती थी । नए शहर के आँटोवाले मनमाना किराय माँगेंगे । इन्ही कारणों से लेखक यात्रा से डरते थे ।

उत्तर - 2 गोवर्धनदास में महंत जैती दूरदृष्टि नहीं थी । उसे बस अपना पेट भरने की चिंता रहती थी । आँधेरी नगरी में एक टके सेर मिठाई मिलती थी । गोवर्धनदास को मिठाई खाने का शौक था । अँधेरीनगरी में रहकर वह कम पैसों में भी भरपेट मिठाई खा सकता था । इसलिए उसने अँधेरीनगरी में ही रहने का फैसला लिया ।

अथवा

उत्तर - 2 माँ ने भारतीजी को पिक्चर देखने के लिए दो रुपये दिये थे । माँ चाहती थी कि इन रुपयों से टिकट लेकर लेखक अपना मनोरंजन करे । लेकिन लेखक ने ऐसा नहीं किया । उसने माँ के दिए हुए रुपयों से 'देवदास' नाम की पुस्तक खरीद ली । इसका कारण यह है कि लेखक के मन में किताबें इकठ्ठी करने की धून सवार हो गई थी ।

प्रश्न-2(अ)सही विकल्प चुनकर निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । **(2)**

उत्तर - 1 भारत से

उत्तर - 2 भिखारी

Scanned by CamScanner

(ब) निम्नलिखित काव्य पंक्ति पूर्ण कीजिए । **(2)**

उत्तर - 1 नयनो में ज्वाला तेरे गति में भूचाल.
तेरी छाती में छिपा महाकाल है.
पृथ्वी के लाल तेरा हिमगिरि साभाल
तेरी भृकुटी में तांडव का ताल है ।
निज को तुजान. जरा शक्ति पहचान.
तेरी वाणी में युग का आहवान है रे ।

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्यों में दीजए । **(4)**

उत्तर - 1 भारत संसार का सबसे पुराना देश है । इसलिए उसे वृद्ध कहा है ।

उत्तर - 2 मनुष्य की आत्मा में स्वयं भगवान रहते है । इसलिए उसके प्राणों को अमरता का वरदान मिला है ।

उत्तर - 3 मनुष्य चाहे तो धरकती और आकाश को जोड़ सकता है ।

उत्तर - 4 बार-बार समुद्र गरजता है ।

(ड) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए । **(4)**

उत्तर - 1 संत का हृदय पवित्र होता है । संत भगवान का ही रुप है । उसकी सेवा करने से जीवन में कृतार्तता अर्थात् सफलता प्राप्त होगी ।

उत्तर - 2 ज्ञान अपनी गहराई खो रहा है । पृथ्वी दु:ख के समुद्र में डूब रही

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छ वाक्यों में लिखिए । **(8)**

उत्तर - 1 धरती की शान कविता में मनुष्य को सर्वशक्तिमान बाताया गया है । उसकी आत्मा परमात्मा का रूप है । इस दृष्टि से मनुष्य अजर-अमर प्राणी है । इससे हमें यह प्रेरणा मिलती हैं कि मनुष्य होने के कारण हमें अपने लक्ष्य ऊँचे रखने चाहिए । हमें किसी काम को पहचानकर कठिन-से कठिन कार्य करने में पीछे नहीं हटना चाहिए । हमें निराशा का शिकार होकर अपने आप को कभी अशक्त नहीं अनुभव करना चाहिए ।

उत्तर - 2 कबीर कहते हैं कि सज्जन अच्छे लोगों से संबंध बनाकर उसे कायम रखता है । वे रुठते हैं तो उन्हें बार-बार मनाकर संबंध को जोड़ रखता है । दुर्जन का व्यवहार इससे उलटा है । जैसे मटके को जरा सा धक्का मारने पर वह फूट जाता है, उसी तरह दुर्जन व्यक्ति टूट रहे संबंध को पूरी तरह तोड़ने में संकोच नहीं करता ।

इस तरह सज्जन में जोड़ने और दुर्जन में तोड़ने की बुद्धि होती है ।

अथवा

उत्तर - 2 दानी पुरुष धन-दौलत को संग्रह करने की वस्तु नहीं मानते । वे अपना धन दूसरो को बाँटने में ही रुचि रखते हैं । वे अपनी बहुमूल्य वस्तुएँ दूसरों को देने में संकोच नहीं करते । वे किसी से कुछ लेते नहीं । वे दूसरों को देने में सुख का अनुभव करते हैं । इस प्रकार दानी पुरुषो का स्वभाव दयालु और उदार होता है ।

प्र.-3 निम्नलिखित दिए गए व्याकरण का उत्तर दीजिए ।

(1) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(2)**

(1) शरीर छोड़ देना – मृत्यु होना ।

वाक्य : उन्होंने पिछले मंगलवार को शरीर छोड़ दिया ।

(2) हृदय में स्थान पाना – प्रिय होना ।

वाक्य : अपनी वफादारी के कारण रोनी ने हमारे हृदय में स्थान पा लिया है ।

Scanned by CamScanner

(2) निम्नलिखित कहावतों का अर्थ स्पष्ट कीजिए । **(2)**

उत्तर - 1 (1) कंगाली में आटा गीला – मुसीबत में और मुसीबत आना

(2) चार दिनों की चांदनी फिर अँधेरी रात – थोड़े समय का सुख

(3) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध कीजिए । **(2)**

(1) आत्मा नहीं मरती ।

(2) मैं अपना काम करता हूँ ।

(4) निम्नलिखित शब्दों का विरोधी शब्द लिखिए । **(2)**

(1) मानव – दानव (2) समान – असमान

(5) निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए । **(2)**

(1) काल – समय

(2) अधम – पापी, दृष्ट, नीच, निकृष्ट

(6) निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए । **(2)**

(1) असंभव (2) जीवनी

(7) निम्नलिखित संधि को जोड़िए / छोड़िए । **(2)**

(1) गण + ईश = गणेश (जोडिए)

(2) गायन = गै + अन (छोडिए)

(8) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाचक संज्ञा बताइए । **(2)**

(1) मूर्खता (2) उन्नति

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाचक संज्ञा बताइए । **(2)**

(1) जानकार (2) कवि

(10) निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण बताइए । **(2)**

(1) आतंकित (2) विकट

(11) निम्नलिखित समास को पहचानिए । **(2)**

(1) नीलांबर – नीला अंबर – कर्मधारय समास

(2) अठन्नी – आठ आनों का समूह – द्विगु समास

प्र.-4(अ) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(3)**

उत्तर - 1 पशु-पक्षी अपनी जन्मभूमि से प्रेम करतै हैं ।

उत्तर - 2 पक्षी का देश खुला आकाश, वृक्षों की शाखाएँ और घोंसला है ।

उत्तर - 3 शीर्षक : स्वदेशप्रेम अथवा जन्मभूमि और स्वतंत्रता

(ब) निम्नलिखित विचार-विस्तार को स्पष्ट कीजिए । **(3)**

(1) वृक्ष ही जल है, जल ही रोटी है और रोटी ही जीवन है ।

उत्तर - 1 वृक्ष जल और रोटी ये तीनों अलग-अलग वस्तुएँ हैं, फिर भी इनमें गहरा सम्बन्ध है । अलग-अलग होकर भी ये परस्पर जुड़े हुए हैं । वृक्ष वन का प्रतिक है । सघन वन बरसाती बादलों को आकर्षित करते हैं । इस लिए वनप्रदेशों में अच्छी वर्षा होती है । वनों में जल संचित रहने से उनमें नदियों में भी जल का प्रवाह बराबर बना रहता है । पानी की सुविधा होने से खेती अच्छी होती है और खादद्यान्नों की आपूर्ति में कमी या रुकावट नहीं आती । भरपूर खाद्यान्न होने से लोगों को भरपेट भोजन मिलता है । वे स्वस्थ और सक्रिय रहते हैं । वे सुखी और सपन्न जीवन बिताते है । रेगिस्तानों में वृक्षों के अभाव के कारण वर्षा भी नहीं के बराबर होती है और इसलिए वहाँ अन्न का अभाव रहता है ।

Scanned by CamScanner

अथवा

(1) न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसूरी ।

उत्तर - 1 कार्य और कारण में गहरा सम्बन्ध है । जब तक कारण हैं, तब तक कार्य होता ही रहेगा । इसलिए कार्य को समाप्त करना है तो पहले उसके कारण को समाप्त करना होगा । यदि बाँसुरी नहीं अच्छी लगती, तो जिससे वह बनती है । उस बाँस को ही नष्ट कर देना होगा । खिड़की से ठंडी हवा आने से रोकना है, तो खिड़की को बंध कर देना चाहिए । मलेरियां का कारण मलेरिया मच्छर है। उसके काटने पर ही मलेरिया बुखार आता है । यदि इसलिए किसी चिज का पूरी तरह सफाया करने के लिए उसको समूल नष्ट करना बहुत आवश्यक है ।

(क) रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर योग्य शिर्षक दीजिए । **(3)**

जहाँगीर दिल्ली का बादशाह था । वह अपने न्याय के लिए प्रसिद्ध था । नूरजहां जहाँगीर की प्रिय बेगम थी ।

एक बार नूरजहाँ अपनी सखियों के साथ जंगल में शिकार खेलने गई थी । जंगल के पास ही एक नदी बहती थी । नदी के किनारे एक धोबी कपडे धो रहा था । उसने हिरन की तरफ बंदूक का निशाना साधा और गोली चला दी । दुर्भाग्य से गोली हिरन को न लगकर धोबी को लग गई । धोबी वही चल बसा ।

दूसरे दिन विधवा धोबिन बादशाह जहाँगीर के दरबार में न्याय माँगने गई । उसने बेगम नूरजहाँ पर अपने पति की हत्या करने का आरोप लगाया । जाँच-पड़ताल के बाद बादशाह सारा मामला समझ गया ।

बादशाह बड़ी दुविधा में फँस गया । एक ओर बेगम थी, तो दूसरी ओर न्याय । बादशाह ने बहुत सोच विचार किया । अंत में न्याय की जित हुई । उसने धोबिन के हाथ में एक बंदूक दी और कहा, ''जैसे मेरी बेगम ने तुम्हारे पति को मारकर तुम्हें विधवा बनाया है, वैसे ही तुम मुझे मारकर मेरी बेगम को विधवा बना दो । तुम बेखटके मुझ पर गोली चलाओ ।''

धोबिन बादशाह के इस न्याय पर सन्न रह गई । उसने बेगम को क्षमा कर दिया ।

बोध : सचमुच जो न्याय निष्पक्ष होता है, वही सच्चा न्याय है ।

(ब) निम्नलिखित अहवाल का लेखन किजीए । **(3)**

स्वतंत्रता दिवस समारोह पे पचास शब्द में अहवाल लेखन ।

आणंद 16 अगस्त । कल यहां के चरोतर इंग्लीश मिडीयम स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बहुत शानदार ढंग से मनाया गया । इस मौके पर विद्यालय के सभागार को छोटे-छोटे तिरंगो झंडो से सजाया गया था । छात्रों ने अपनी-अपनी कक्षाएं भी सजाई थी । कार्यक्रम सुबह साड़े आठ बजे शरु हुआ । समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता श्री कार्तिकभाई पटेलने की । उन्होंने तिरंगो झंडा फहराया और आजादी का महत्त्व बताया ।

विद्यार्थियों ने कई कार्यक्रम पेश किए । 'हम एक डाल के पंछी' तथा 'आजादी की कीमत' एकांकी बहुत सफल रहे । कई विद्यार्थीयों ने देशभक्ति के सुंदर गीत गाए । विद्यालय की तरफ से 'शहीद' फिल्म दिखाई गई । अंत में आचार्यश्री ने अध्यक्ष को धन्यवाद दिया । राष्ट्र गीत के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ ।

अथवा

Scanned by CamScanner

पत्र लिखिए ।

रामनिवास
कृष्णनगर
पुना,
13, दिसम्बर 2018

प्रिय पुत्री काजल,

सप्रेम आशिष ।

कल ही दामादजी का पत्र मिला। तुम सब अच्छे-भले हो. यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हुई । लेकिन उन्होंने तुम्हारी फिजूल खर्ची की आदत की शिकायत की है, इससे दु:ख हुआ ।

बेटी, तुम तो पढी-लिखी हो । तुम्हें अच्छी तरह मालूम हैं कि महँगाई के इस जमाने से जीना बहुत मुश्किल हो गया है । हर चीज के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं । ऐसी दशा में प्रत्येक गृहिणी का यह कर्तव्य है कि वह समझ-बूझकर खर्च करे और फिजूल खर्ची तो बिलकुल ही न करे । जो किफायत से रहने की कला जानता है, वह कई तकलीफों से बच जाता है । जीवन का असली आनंद सादे जीवन और ऊँची विचार में है । लेकिन हमें अपनी आमदनी का ध्यान रखते हुए अनिवार्य वस्तुओं के लिए ही खर्च करना चाहिए । प्रत्येक अच्छी गृहिणी को हर मोह कुछ-न-कुछ बचत जरूर करनी चाहिए । मुसीबत में यह बचत काम आती है । लेकिन बचन तभी संभव है, जब घरखर्च किफायत से किया जाये ।

मुझे पूरी उम्मीद है कि तुम मेरी बात जरूर मानोगी और भविष्य में तुम्हारी फिजूलखर्ची की कोई शिकायत नहीं आएगी ।

(क) **निम्नलिखित निबंधों में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में निबंध लिखिए ।** **(6)**

(1) होली आई रे ....

(2) मेरा देश :

अथवा

(3) एक फूल की आत्मकथा :

(लेखन के अनुसार गुण दिए जाएगे)

● ● ● ●

Scanned by CamScanner